CLASS : 10th (Secondary) **Code No. 3542**

Series : Sec/Annual Exam.-2026

रोल नं० | | | | | | | | | | |

पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक परीक्षा संस्कृत व्याकरण (आर्ष पद्धति गुरुकुल)

Sub. Code : 1002/SKV

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **3** घण्टे]* *[पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** तथा प्रश्न **6** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*

- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*
- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

निर्देशाः -(क) ***सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।***

(ख) प्रत्येकं खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।

(ग) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।

(घ) श्रेष्ठाङ्कान् प्राप्तये सुस्पष्टः लेखः लेखनीयः।

खण्डः 'क'

(वस्तुनिष्ठ-प्रश्नाः)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु किमप्येकम् समुचितमुतरं चिनुत — $1 \times 16 = 16$

(i) 'सुयः आत्मनः क्यच्' इत्यस्य किमुदाहरणम् ?

(क) गर्दभीयति (ख) पुत्रीयति

(ग) श्येनायते (घ) तपस्यति

(ii) ''दीव्यति'' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?

(क) शप् (ख) श

(ग) श्लु (घ) श्यन्

(iii) लुट्-लकारः कस्मिन्नर्थे विधीयते ?

(क) भावे (ख) अद्यतने

(ग) अनद्यतने (घ) शेषे

(iv) ''एरच्'' इति सूत्रेण कः प्रत्ययो विधीयते ?

(क) अच् (ख) अप्

(ग) चः (घ) अश्

(v) ''गार्गी'' इत्यत्र केन ङीप्-प्रत्ययः ?

(क) अनुपसर्जनात् (ख) द्विगोः

(ग) नित्यं संज्ञाछन्दसोः (घ) यञश्च

(vi) ''वयसि प्रथमे'' इत्यत्र वयसि शब्दे का विभक्तिः ?

(क) सप्तमी (ख) षष्ठी

(ग) पञ्चमी (घ) प्रथमा

(vii) ''दाक्षिः'' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?

(क) इन् (ख) कः

(ग) इञ् (घ) अच्

(viii) ''रोणी'' इत्यतः परं किं सूत्रम् ?

(क) उदक्च विपाशः (ख) कोपधाच्च

(ग) बह्वचः कूपेषू (घ) जनपदे लुप्

(ix) ''रुणद्धि'' इत्यत्र किं विकरणम् ?

(क) शप् (ख) श्यन्

(ग) श (घ) श्नम्

(x) ''आडुतमस्य पिच्च'' इति सूत्रेण क आगमो भवति ?

(क) आट् (ख) अट्

(ग) अङ् (घ) अम्

(xi) ''गव्यम्'' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे प्रत्ययः ?

(क) क्रीतार्थे (ख) हितार्थे

(ग) विकृतौ (घ) भवार्थे

(xii) ''पौरुषेयम्'' इति कस्योदाहरणम् ?

(क) तस्मै हितम्

(ख) तदर्थं विकृतेः प्रकृतौ

(ग) माणवचरकाभ्यां खञ्

(घ) सर्वपुरुषाभ्यां णढञौ

(xiii) ''खार्या ईकन्'' इत्यतः पूर्ववर्ति सूत्रं किम् ?

(क) बिस्ताच्च (ख) पुत्राच्छ च

(ग) विंशतिकात् खः (घ) तेन क्रीतम्

(xiv) ''भाग्यम्'' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?

(क) यः (ख) यत्

(ग) यञ् (घ) ठन्

(xv) ''वतोरिथुक्'' इत्यनेन क आगमो भवति ?

(क) इथुक् (ख) थुक्

(ग) क (घ) इथुः

(xvi) चतुर्थाध्याये कियन्ति सूत्राणि ?

(क) 610 (ख) 540

(ग) 625 (घ) 630

खण्डः 'ख'

(अतिलघूत्तरीय-प्रश्नाः)

2. अधस्तनानां सूत्राणां सोदाहरणमर्थं लिखत — $2 \times 3 = 6$

(क) व्रीहिशाल्योर्ढक्।

(ख) मध्यान्मः।

(ग) अचो यत्।

3. निम्नलिखितानां पदच्छेदविभक्तीः प्रदर्शयत — $2 \times 4 = 8$

(क) मतिबुद्धिपूजार्थेश्यश्च।

(ख) साक्षाद् द्रष्टरि संज्ञायाम्।

(ग) अ प्रत्ययात्।

(घ) हलः श्नः शानज्झौ।

4. संक्षेपेण रूपसिद्धीः निष्पादयत — $2 \times 3 = 6$

(क) औपगवः।

(ख) गव्यम्।

(ग) शंकरः।

खण्डः 'ग'

(लघूत्तरात्मक-प्रश्नाः)

5. निर्दिष्टानां सूत्राणामग्रे क्रमेण **4-4** सूत्राणि लिखत — $4 \times 5 = 20$

(क) चरति।

(ख) अग्नेर्ढक्।

(ग) अण् कर्मणि च।

(घ) प्रकृष्टे ठञ्।

(ङ) न दृशः।

खण्डः 'घ'

(निबन्धात्मक-प्रश्नाः)

6. सूत्रव्याख्यां विधेहि — $6 \times 4 = 24$

(क) हेतुमति च

अथवा

साप्तपदीनं सख्यम्

(ख) ङ्याप्प्रातिपदिकात्

अथवा

लोटो लङ्वत्

(ग) परिखाया ढञ्

अथवा

स्थः क च

(घ) इङश्च

अथवा

द्विगोः